जमशेदपुर की अस्मिता ने फतह किया माउंट एवरेस्ट

चर्चा में क्यों?

25 मई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार जमशेदपुर की निवासी और टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) की वरिष्ठ प्रशिक्षक व पर्वतारोही अस्मिता दोरजी ने माउंट एवरेस्ट पर फतह की है।

प्रमुख बिंदु

- टाटा स्टील ने एक बयान जारी कर बताया कि 39 वर्षीय अस्मिता ने 23 मई की सुबह, दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट फतह की है। वह 3 अप्रैल को अपनी यात्रा पर निकली थीं और खुंबु क्षेत्र के जरिये 8 दिनों की यात्रा के बाद 14 अप्रैल को एवरेस्ट बेस कैंप पहुँची थी।
- बयान में कहा गया है कि 18 मई को अस्मिता ने कठिन खुंबु आइसफॉल को पार करते हुए 19 मई को कैंप-2 तक की यात्रा पूरी की। उन्होंने 22 मई को रात 10 बजे अपनी अंतिम शिखर यात्रा शुरू की और 23 मई को सुबह आठ बजकर 20 मिनट (भारतीय समयानुसार) पर सफलतापूर्वक चोटी पर पहुँचीं।
- अस्मिता दोरजी के साथ उनके शेरपा गाइड लक्पा नुरू भी थे, जो नेपाल के एक बहुत ही अनुभवी शेरपा गाइड हैं।
- विदित है कि एक साल पहले 13 मई, 2022 को अस्मिता ने सप्लीमेंट्री ऑक्सीजन के बिना दुनिया के सबसे ऊँचे पर्वत पर चढ़ने का प्रयास किया था, जो अनुभवी पर्वतारोहियों के बीच भी एक दुर्लभ उपलब्धि थी। उन्होंने 30 सितंबर, 2022 को सप्लीमेंट्री ऑक्सीजन के बिना माउंट मानसलू (8163 मीटर) पर चढ़ाई की और ऐसा करने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jamshedpur-s-asmita-conquered-mount-everest